

प्रेषक,

डा० रणबीर सिंह,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
डेरी विकास विभाग,  
उत्तराखण्ड।

पशुपालन अनुभाग-02

देहरादून: दिनांक 17/जनवरी, 2015:

विषय- वित्तीय वर्ष 2014-15 में अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत आयोजनागत (टी०एस०पी०) पक्ष में महिला डेरी विकास योजना के अन्तर्गत वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-761-62/लेखा-प्रस्ताव आयो० महिला डेरी/2014-15, दिनांक 30 अक्टूबर, 2014 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। इस संबंध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-318/XXVII(1)/2014, दिनांक 18 मार्च, 2014 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2014-15 में महिला डेरी विकास योजना (अनुसूचित जनजातियों के कल्याणार्थ) के अन्तर्गत कुल धनराशि रु० 5.80 लाख (रुपये पाँच लाख अस्सी हजार मात्र) निम्नोक्त मदों में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखते हुए इसे आहरण कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि रुपये लाख में)		
क्र०सं०	मद का नाम)	स्वीकृति धनराशि
1.	महिला दुग्ध समितियों का गठन	0.54
2.	सुपरवीजन, मॉनीटरिंग एवं एडमिनिस्ट्रेशन	4.11
3.	प्रपोलसन चार्ज	0.45
4.	एक्सटेंशन एण्ड ट्रेनिंग प्रोग्राम	0.24
5.	ओवरराइडिंग कॉस्ट	0.46
	योग-	5.80

- जनजाति बाहुल्य समितियों के पर्यवेक्षण एवं कार्यालय की व्यवस्था पृथक से की जायेगी तथा प्रोपलसन चार्ज अथवा ओवरराइडिंग कास्ट अथवा एक्सटेंशन एवं ट्रेनिंग कार्यक्रम भी जनजाति बाहुल्य महिला दुग्ध समितियों हेतु ही किये जायेंगे।
- उक्त स्वीकृत धनराशि जनपदवार सम्बन्धित सहायक निदेशक, डेरी के नियंत्रण में व्यय हेतु प्रादिष्टि की जायेगी तथा धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये।
- बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या सहित सूचना प्रतिमाह की 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-08 पर शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।
- अवमुक्त की जा रही धनराशि का दिनांक 31-3-2015 तक उपयोग कर उपयोगिता प्रमाणक, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति विवरण शासन को उपलब्ध कराया जाय।




5. इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का आहरण एवं व्यय करते समय वित्तीय हस्त पुस्तिका में उल्लिखित नियमों एवं क्रय संबंधी शासनादेशों का पालन किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।
  6. विभिन्न मदों में व्ययभार/देयता सृजित होने पर यथाशीघ्र धनराशि आहरित कर भुगतान की जायेगी एवं कोई भी भुगतान अनावश्यक लम्बित नहीं रखा जायेगा।
  7. किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-01, (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-05 भाग-01 (लेखा नियम) आय-व्यय संबंधी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। साथ ही मितव्ययता संबंधी आदेशों, डी.जी.एस.एन. डी की दरें, टेण्डर/कोटेशन विषयक नियमों के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के दिशा-निर्देशों का भी पूर्णतः अनुपालन किया जाय।
  8. किसी भी दशा में एक मद की धनराशि दूसरे मद में व्यय नहीं की जाये अन्यथा की स्थिति में सक्षम अधिकारी का पूर्णतः उत्तरदायित्व होगा।
  9. धनराशि का उपयोग उपरान्त कराये गये कार्यों की योजनावार/लाभार्थीवार/ग्रामवार सूची एवं व्यय का विवरण समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ को उपलब्ध कराया जायेगा।
- 2- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2404-डेरी विकास-00-796-जनजाति क्षेत्र उपयोजना-02-महिला डेरी विकास योजना-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/ राजसहायता के नामे डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-1055/XXVII(1) दिनांक 30 दिसम्बर, 2014 द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,  
(डा० रणबीर सिंह)  
प्रमुख सचिव।

संख्या-755-(1)/XV-2/2014तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ/गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
3. कोषाधिकारी, हल्द्वानी (नैनीताल), उत्तराखण्ड।
4. निजी सचिव, मा० मंत्री, दुग्ध को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु प्रेषित।
5. वित्त अनुभाग-4, समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. निदेशक, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,  
  
(महवीर सिंह चौहान)  
उप सचिव।